अध्याय-पंचम

निष्कर्ष एवं सुझाव

अध्याय –पंचम

निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

भूगोल विषय विद्यार्थियों की शैक्षिक दृष्टि से तथा दैनंदिन व्यवहार की दृष्टि से अधिक उपयुक्त है। भूगोल शिक्षण में अन्य विषयों की अपेक्षा अधिक कठिनाई होती है, क्योंकि भूगोल विषय में अधिकांश पाठ्यवस्तु विद्यार्थी के अनुभव क्षेत्र से बाहर होती है। शिक्षक और विद्यार्थी दोनों को भूगोल का प्रत्यक्ष अनुभव नहीं रहता, यही कारण है कि भूगोल का ज्ञान विद्यार्थी को शुद्ध रूप से देना कठिन होता है। इसलिए भूगोल के शिक्षक को भूगोल का उचित ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रत्यक्ष अनुभव के साथ–साथ कुछ शिक्षण सामग्री का भी प्रयोग करना पड़ता है। संबंधित अध्ययन भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8 के विद्यार्थियों के भूगोल विषय में ज्ञान प्राप्ति पर क्या प्रभाव होगा इसके लिए किया गया है।

5.2 समस्या कथन

''भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8 के विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन''

5.3 अध्ययन के उद्देश्य

इस अध्ययन के निम्नांकित उद्देश्य है।

1. भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8 के विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
2. भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8 के छात्राओं की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
3. भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8 के छात्रों की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

5.4 परिकल्पनाएँ

इस अध्ययन के लिये शुन्य परिकल्पनाएँ ली गयी है। वह निम्नांकित है–

1. भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8 के विद्यार्थियों की निष्पत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8 के छात्राओं की निष्पत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है
3. भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 8 के छात्रों की निष्पत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है

5.5 अध्ययन की सीमाएं

इस शोध की निम्नांकित सीमाएं है–

1. यह अध्ययन सिर्फ कक्षा 8 के विद्यार्थियों पर किया गया है।
2. यह अध्ययन करते वक्त किसी एक गाँव की एक पाठशाला ली गयी हैं
3. यह अध्ययन सिर्फ भूगोल विषय सें संबंधित हैं।

5.6 प्रतिदर्श

इस अनुसंधान में जनसंख्या के तौर पर श्री समर्थ हाईस्कूल दांडेगांव के 8वीं कक्षा के विद्यार्थी लिये गये हैं यह विद्यार्थी 150 हैं। अनुसंधान की कुल इकाई जनसंख्या 150 हैं। इकाई जनसंख्या में से असंभाविता प्रतिदर्श के उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्श इस प्रकार का प्रयोग करके 40–40 विद्यार्थियों के दो समूह बनाये गये हैं।

प्रस्तुत शोध के लिए 'समान समूह अभिकल्प' तैयार किया गया। समान समूह बनाते वक्त नीचे दिये गये तत्वों को ध्यान में रखा गया।

- ★ दो समान समूह बनाते वक्त कक्षा 8 के विद्यार्थियों के पिछले वर्ष याने कक्षा 7 की अंतिम परीक्षा के भूगोल विषय के प्राप्तांको का विचार किया गया।
- ★ 7वीं में जीन विद्यार्थियों के भूगोल विषय के प्राप्तांक 45% से 60% थे ऐसे 80 विद्यार्थी (40 बालक, और 40 बालिकाएँ) चूने गये।
- ★ इन 80 विद्यार्थियों में से 40 विद्यार्थी नियंत्रित समूह में और 40 विद्यार्थी प्रायोगिक समूह में, ऐसे दो समूह बनाये गये।

5.7 शोध में प्रयुक्त चर

- ★ **स्वतंत्र चर – शैक्षिक सामग्री**
- ★ **आश्रित चरः– विद्यार्थियों की निष्पत्ति**

5.8 निष्कर्ष

1. नियंत्रित समुह का मध्मान 18.3 प्रामाणिक विचलन 2.75 और प्रायोगिक समूह का मध्यमान 35.05 प्रामाणिक विचलन 2.72 है। दोंनो समुह का क्रान्तिक अनुपात 27.45 हैं। इसलिये परापरागत पद्धति से भूगोल विषय पढ़ाने के अलावा शैक्षिक सामग्री के प्रयोग के साथ पढ़ाना अधिक प्रभावी हैं।
2. भूगोल विषय परंपरागत पद्धति से पढ़ाने के आलवा शैक्षिक सामग्री का उपयोग करके पढ़ाना छात्राओं के अधिक हित में है।
3. भूगोल विषय शैक्षिक सामग्री के साथ पढ़ाने से छात्रों के निष्पत्ति पर उपयुक्त प्रभाव पड़ा है।
4. भूगोल विषय के अध्यापन में शैक्षिक सामग्री की भूमिका महत्वपूर्ण हैं।

5.9 सुझाव

1. अध्यापकों ने भूगोल पाठ्यांश से संबंधित विविध शैक्षिक सामग्री बनानी चाहिए।
2. अध्यापकों ने भूगोल विषय हमेशा शैक्षिक सामग्री के उपयोग के साथ ही पढ़ाना चाहिये।
3. भूगोल पाठ्यांश से संबंधित विविध शैक्षिक सामग्री विद्यार्थियों ने तैयार करने के लिये शिक्षकों ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहन और प्रशिक्षण देना चाहिए।
4. पाठशाला के प्रशासक ने भूगोल पाठ्यांश से संबंधित विविध शैक्षिक सामग्री का प्रबंध करना चाहिए।
5. शैक्षिक सामग्री के साथ पढ़ाने पर वह पाठ्यांश दीर्घकाल तक विद्यार्थियों के ध्यान में रहता हैं, इसलिये अध्यापको ने इस पद्धति का इस्तेमाल अधिक से अधिक मात्रा में करना चाहिए।

5.10 भविष्य के लिए शोध सुझाव

यह अनुसंधान सिर्फ भूगोल विषय से संबंधित हैं शैक्षिक सामग्री की दूसरे विषयों के अध्यापन में क्या भूमिका है इसका शोध किया जा सकता है। यह अनुसंधान कर्ता द्वारा सिर्फ भूगोल से संबंधित था ऐसा ही अनुसंधान कार्य जीवशास्त्र, इतिहास रसायन शास्त्र आदि विषयों में भी किया जा सकता है। इसलिये नये अनुसंधान कर्ता ने दूसरे विषयों में शैक्षिक सामग्री की क्या भूमिका है इसके बार में शोध करने के लिये यह विषय चुनना चाहिए।